हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार 5 अप्रैल 2026

तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 19.4 डिग्री

13 नंद सरोवर के संरक्षण के प्रयास शुरू, अहीरवाल हेरिटेज और नप टीम ने चलाया स्वच्छता अभियान

14 कॉर्पोरेट क्षेत्र में सफलता पाने के लिए तकनीकी ज्ञान और टीमवर्क आवश्यक

रेवाड़ी अनाजमंडी में अब तक एक लाख 30 हजार क्विंटल से अधिक सरसों ओपन में बिक चुकी

किसानों को बायोमेट्रिक से परहेज, बोले सरसों प्राइवेट बेचनी है तो अंगूठा क्यों

हेमंत शर्मा ▶▶| रेवाड़ी

सरकार की ओर से फसल खरीद में पारदर्शिता लाने के लिए इस बार रबी सीजन की फसल सरसों व गेहूं की सरकारी खरीद में बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन अनिवार्य किया गया है। अनाज मंडियों में सरसों की सरकारी खरीद 28 मार्च व गेहूं की एक अप्रैल से शुरू भी हो चुकी है, लेकिन खरीद एजेंसी का अभी तक न तो सरसों व न ही गेहूं मिल पाया है। सरसों का न मिलना ओपन में एमएसपी से महंगे दामों में बिकना है, जबकि गेहूं में नमी की मात्रा ज्यादा होने के कारण खरीद नहीं हो पाई है। किसानों को भी सरकार के नए नियम रास नहीं आ रहे है। अनाज मंडी में फसल बेचने आने वाले किसान बायोमेट्रिक से परहेज कर रहे है। किसान साफ मना कर रहे है कि उन्हे जब सरसों प्राइवेट बेचनी है तो वे अंगूठा क्यूं लगाए, जबकि मंडी में आने वाले किसानों को ई-खरीद पोर्टल पर पंजीकरण के साथ-साथ गेट पास लेने के लिए बायोमैट्रिक पर अंगूठा लगाना अनिवार्य है। वहीं काफी किसानों के ट्रैक्टरों पर फ्रंट नंबर प्लेट भी नजर नहीं आ रही है। मार्केट कमेटी की ओर से ड्यूटी पर लगाए गए कर्मचारी वाहनों की फोटो लेकर एंट्री कर रहे है। मंडी में आने वाले ज्यादातर किसान बिना बायोमैट्रिक के ही एंट्री करके प्राइवेट सरसों बेच रहे है। बायोमैट्रिक के लिए मंडी के गेट पर ड्यूटी लगाए गए कर्मचारी को किसानों के आने का इंतजार करना पड़ रहा है, लेकिन कुछ किसान ही अंगूठा लगा रहे है, ज्यादातर किसाना सीधे मंडी में एंट्री कर रहे है।

सरसों के दाम ऊंचे, एजेंसी भी हुई सुस्त

खरीद एजेंसी की ओर से सरकार के नियमानुसार 8 प्रतिशत नमी तक ही सरसों खरीद की जाएगी, जबकि गेहूं के लिए 12 प्रतिशत तक नमी निर्धारित की गई है। जिले में 56188 किसानों ने मेरी फसल-मेरा ब्योरा पर सरसों का पंजीकरण कराया है। वही एमएसपी पर गेहूं बेचने के लिए 24148 किसानों ने पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराया है। जिले की रेवाड़ी, बावल व कोसली अनाजमंडी में हैफेड की ओर से सरसों की सरकारी खरीद की जा रही है, लेकिन मंडी में ओपन में सरसों के भाव ऊंचे होने के कारण एजेंसी को अभी तक कामयाबी नहीं मिली है। रेवाड़ी अनाजमंडी में अब तक एक लाख 30 हजार क्विंटल से अधिक सरसों ओपन में बिक चुकी है।

6900 प्रति क्विंटल तक मिल रहे दाम

रेवाड़ी। अनाज मंडी में फड पर सरसों की ढेरियां व रखी बोरियां। फोटो : हरिभूमि

प्राइवेट खरीदारों से सरसों के मिल रहे अच्छे दाम

मंडियों में सरसों बेचने के लिए किसान का बायोमैट्रिक सत्यापन और ट्रैक्टर का जिओ फेंसिंग अनिवार्य है। गेट पास के लिए ट्रैक्टर की नंबर प्लेट का फोटो और किसान की बायोमैट्रिक वेरिफिकेशन गेट पर जरूरी है। वही केवल वही किसान एजेंसी को एमएसी पर फसल बेच सकते हैं, जिनका मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन है तथा जो किसान बायोमैट्रिक नहीं करा सकते, वे पोर्टल पर पंजीकृत किन्हीं तीन किसानों से गवाही दिलवा सकते है, लेकिन किसानों को बायोमैट्रिक प्रणाली रास नहीं आ रही हैं। सरकार की ओर से सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य 6200 रुपये प्रति क्विंटल और गेहूं का न्यनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, लेकिन ओपन में सरसों के दाम 6900 रुपये प्रति क्विंटल तक मिलने के कारण किसान प्राइवेट खरीदारों को फसल बेच रहे हैं।

रेवाड़ी। मंडी के गेट पर बिना नंबर प्लेट का ट्रैक्टर व जानकारी लेता कर्मचारी।

गेट पास के लिए वाहन की नंबर प्लेट जरूरी

मंडियों में रबी फसल खरीद को लेकर मापदंड निर्धारित किए है, जिसके तहत गेटपास फोटो सत्यापन के लिए वाहन की फ्रंट नंबर प्लेट अनिवार्य की गई है। उन्होंने कहा कि किसानों का मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण भी अनिवार्य है। गेटपास के लिए किसान का बायोमेट्रिक सत्यापन भी आवश्यक होगा। उन्होंने कहा कि किसान मंडियों में अपनी उपज को सुखाकर लाएं, ताकि फसल बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो पाए।
-अभिषेक मीणा, डीसी रेवाड़ी।

रेवाड़ी। मंडी के गेट पर बायोमेट्रिक के लिए किसान का इंतजार करता कर्मचारी।

खबर संक्षेप

मारपीट मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

जाटूसाना। नैनसुखपुरा में गत वर्ष दिसंबर माह में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने महिला सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर गत वर्ष 12 दिसंबर को आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। केस दर्ज होने के बाद से आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर थे। जांच के बाद पुलिस ने नैनसुखपुरा निवासी मनीष, मुखत्यार और सरोज देवी को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसे के आरोपी दो चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसों के बाद फरार दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। थाना खोल पुलिस ने जैसलमेर नेशनल हाइवे पर सड़क हादसे के बाद गत 29 मार्च को केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने खोल निवासी भागीरथ को गिरफ्तार किया है। उसकी औरा कार को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया। थाना सदर पुलिस ने 22 मार्च को हादसे के बाद दर्ज किए गए केस में यूपी के समदा निवासी अमरजीत को गिरफ्तार किया है। उसका वाहन भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

कोर्ट से घोषित पीओ चढ़ा पुलिस के हत्थे

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने कोर्ट से पीओ घोषित किए जा रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने एक मामले में बार-बार नोटिस दिए जाने के बाद भी पेश नहीं होने पर बालावास निवासी योगेश कुमार को पीओ घोषित कर दिया था। कोर्ट ने उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए थे। पुलिस ने बीते 3 मार्च को उसके खिलाफ केस दर्ज किया था। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, ज्यूडिशियल कस्टडी के तहत जेल भेजने के बाद आदेश दिए गए। उसे एस्कोर्ट गार्द के हवाले कर दिया गया।

पोक्सो एक्ट के तहत आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गत 1 अप्रैल को केस दर्ज किया था। पीड़िता का सामान्य अस्पताल से मेडिकल परीक्षण भी कराया गया था। केस दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने इस मामले में महेंद्रगढ़ के एक गांव निवासी सुनील को गिरफ्तार कर लिया।

चोरी के आरोपी से नकदी व मुकुट बरामद

रेवाड़ी। रामपुरा थाना पुलिस ने तीन मंदिरों में चोरी करने के एक आरोपी से नकदी व चांदी का मुकुट बरामद किया है। जाडरा के मंदिर में चोरी के बाद पुलिस ने 14 मार्च को केस दर्ज किया था। सीआईए ने गुरुग्राम के खोड़ निवासी राहुल को चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया था। राहुल ने अपने भाई के साथ मिलकर कहाड़ी के दो मंदिरों में भी चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। रिमांड पर लेने के बाद पूछताछ की गई, तो राहुल से 10 हजार रुपये व एक चांदी का मुकुट बरामद हुआ। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

हुड़दंगबाजी करने के दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन पुलिस ने शराब के नशे में सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंगबाजी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि दो लोग मॉडल टाउन एरिया में शराब के नशे में हुड़दंगबाजी कर रहे हैं। इससे आसपास के लोगों की शांति भंग हो रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

तीसरे दिन खुला आउटर बाइपास वाहन चालकों को मिली राहत

रेवाड़ी। जैसलमेर नेशनल हाइवे को दिल्ली-जयपुर व रोहतक नेशनल हाइवे से जोड़ने वाले आउटर बाइपास को तीसरे दिन खोल दिया गया। इससे वाहन चालकों को काफी राहत मिल गई। रेल फ्रेट कॉरिडोर पर आउटर बाइपास के स्टील पुल के एक हिस्से की स्टैंथ चेक करने के लिए इसे गत वीरवार को बंद कर दिया गया था। ट्रैफिक को बाइपास पुल के एक हिस्से से ही डाइवर्ट किया गया था, जिससे पुल के एक हिस्से पर ट्रैफिक दबाव बढ़ गया था। भारी वाहनों के निकलने के कारण एक हिस्से पर जाम जैसे हालात बने रहते थे। डीएफसीसीआईएज, एनएचएआई और एचजी इंफ्रा कंपनी के इंजीनियरों ने दो दिन तक पुल की जांच की। इसके बाद शुक्रवार देर सायं पुल के दूसरे हिस्से को भी खोल दिया गया। शनिवार सुबह इस बाइपास पर यातायात सामान्य हो गया। शहर के सरकुलर रोड की बजाय बड़ी संख्या में छोटे वाहन भी बाइपास से ही निकले, जिससे नाईवाली चौक पर भी यातायात सामान्य बना रहा।

सट्टा खाईवाली करने का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने काठमंडी में सट्टा खाईवाली करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ गैंबलिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि अजय नगर निवासी मामन सिंह काठमंडी में एक फर्नीचर की दुकान के पास दीवार पर बैठकर सट्टा खिला रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने बोगस ग्राहक बनाकर उसके पास भेज दिया। जैसे ही उसने सट्टे का नंबर लगाया, पुलिस ने उसे वहीं काबू कर लिया। आरोपी क कब्जे से सट्टा पर्चियां और 11050 रुपये बरामद हुए। उसे गिरफ्तार करने के बाद केस दर्ज कर लिया गया।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

शराब के नशे में सीढ़ियों पर गिरा व्यक्ति अस्पताल ले जाते समय रास्ते में तोड़ा दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

- पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा

मोहनपुर गांव में करीब 55 वर्षीय व्यक्ति की शराब के नशे में संदिग्ध हालत में सीढ़यिों पर गिरने से मौत हो गई। मृतक का इकलौता बेटा दुबई में नौकरी करता है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा। गांव निवासी सतपाल शराब का आदि बताया जा रहा है। बेटे के विदेश में रहने के कारण पति-पत्नी दोनों घर पर साथ रह रहे थे। सतपाल की शराब पीने की आदत के चलते अक्सर उसका पत्नी के साथ विवाद हो जाता था। शनिवार को भी उसका पत्नी के साथ विवाद हो गया था। इसी दौरान वह गिर गया। उसका सिर सीढ़ी से टकरा गया। उसके सिरे से खून बहना शुरू हो गया। पड़ोस के लोगों ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद ट्रॉमा सेंटर ले जाने के प्रयास किए, परंतु उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। डीएसपी क्राइम सुरेंद्र श्योराण ने बताया कि अभी वारिशों ने सतपाल के गिरने का कारण स्वाभाविक बताया है। किसी तरह की कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। फिलहाल सामान्य कार्यवाही करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। मृतक का बेटा काफी समय से दुबई में रह रहा है, जिसे पिता की मौत की सूचना दे दी गई है।

'ज्यूस जैकिंग' से रहें सावधान

पब्लिक यूएसबी चार्जिंग पोर्ट से मोबाइल डेटा चोरी होने का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पुलिस कप्तान हेमेंद्र कुमार मीणा ने आमजन को पब्लिक चार्जिंग स्टेशन से जुड़े साइबर खतरे को लेकर आगाह किया है। एसपी ने बताया कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, मॉल, साइबर कैफे व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगे यूएसबी चार्जिंग पोर्ट का उपयोग करना जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी पब्लिक यूएसबी पोर्ट्स में मालवेयर या डेटा चुराने वाले डिवाइस लगा देते है तथा यूजर का पर्सनल डेटा जैसे फोटो, कॉन्टेक्ट, पासवर्ड व बैंकिंग जानकारी चोरी कर सकते हैं। इस प्रकार की साइबर ठगी को 'ज्यूस जैकिंग' कहा जाता है। कई बार यूजर को इसका पता भी नहीं चलता और उसका डेटा गलत हाथों में चला जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनजान चार्जिंग पोर्ट या केबल का उपयोग करना निजी जानकारी के लिए खतरा बन सकता है। इसलिए केवल सुरक्षित और विश्वसनीय माध्यमों से ही मोबाइल चार्ज करें।

इन संकेतों से रहें सतर्क

चार्जिंग के दौरान फोन में अचानक पॉप-अप या अनजान एप इंस्टॉल होना, फोन का असामान्य तरीके से धीमा होना या डेटा का स्वतः उपयोग होना, बिना अनुमति के फाइल ट्रांसफर या एक्सेस का प्रयास होना, अनजान नोटिफिकेशन या सिक्योरिटी अलर्ट दिखाई दे तो सतर्क हो जाए। एसपी ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को इस प्रकार की साइबर गतिविधि का संदेह हो या वह इसका शिकार हो जाए, तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या वेबसाइट साइबरक्राइम.जीओवी.इन पर शिकायत दर्ज करें। एसपी ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि केवल सुरक्षित साधनों से ही अपने मोबाइल उपकरणों का उपयोग करें।

व्यक्तिगत चार्जर व एडॉप्टर का इस्तेमाल करें

हमेशा अपना व्यक्तिगत चार्जर व एडॉप्टर का इस्तेमाल करें। पब्लिक यूएसबी पोर्ट में सीधे फोन लगाने से बचें। बहुत आवश्यक होने पर पावर बैंक का उपयोग करें। मोबाइल में यूएसबी डबिंग या फाइल ट्रांसफर मोड को बंद रखें। अनजान यूएसबी केबल या डिवाइस का इस्तेमाल न करें। मोबाइल में सिक्योरिटी अपडेट व एंटीवायरस नियमित रूप से अपडेट रखें।

बव्वा में ट्यूबवेल से उपकरण चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

बव्वा गांव में चोर एक किसान के खेत में लगे सौर ऊर्जा संयंत्र के उपकरण चोरी कर ले गए। किसान मोहनलाल ने नाहड़ पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई है। मोहनलाल ने बताया कि उन्होंने खेत में सौर उर्जा प्रणाली का ट्यूबवेल लगवाया हुआ है। वीरवार रात चोर ट्यूबवेल के कमरे से एक इन्वर्टर, एक बैट्री, 30 मीटर केबल, बल्ब और एक लकड़ी काटने वाला दाव चोरी कर ले गए। पुलिस ने किसान की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर लिया है।

होटल पर गाड़ी से एलपीजी के छह सिलेंडर चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर धारूहेड़ा के निकट होटल पर खड़ी एक गाड़ी से एलपीजी के 6 सिलेंडर चोरी हो गए। धारूहेड़ा थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद चोरी हुए सिलेंडरों की जांच शुरू कर दी। गाड़ी चालक भिवानी के अमीरवास निवासी राजेश ने पुलिस शिकायत में बताया कि वह फरीदाबाद बोटलिंग प्लांट से गाड़ी में 306 सिलेंडर लेकर लोहारू गैस एजेंसी के लिए निकला था। धारूहेड़ा पहुंचने से पहले रात हो चुकी थी। पेट्रोलियम कंपनी के नियमानुसार रात को 11 बजे के बाद गैस सिलेंडरों का वाहन चलाने पर बैन है। संगम होटल की पार्किंग में गाड़ी खड़ी करने के बाद वहीं सो गया। रात को होटल के कर्मचारियों ने उसे उठाकर बताया कि उसकी गाड़ी से सिलेंडर चोरी किए गए हैं। गिनती करने पर 6 सिलेंडर कम पाए गए। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद आसपास लगे सीसीटीवी की मदद से चोरी का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

एक दिन पहले हुई बारिश के बाद तापमान में गिरावट, 7 मार्च को एक बार फिर आएगा मौसम में बदलाव

बादल छाने के बाद कुछ इलाकों में गिरीं फुहारें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पल-पल बदलते मौसम के मिजाज के कारण आसमान में एक बार फिर बादल छाने से किसानों की चिंता बढ़ गई। कुछ इलाकों में बादल छाने के बाद हल्की फुहारें गिरीं, परंतु बारिश या ओलावृष्टि से राहत मिली रही। तापमान में गिरावट आने से मौसम के तेवर ठंडे पड़ गए। आगामी 7 मार्च को एक बार फिर मौसम में बदलाव की संभावना जताई जा रही है। आसमान पूरी तरह साफ होने का अनुमान लगाया जा रहा है। शनिवार को सुबह के समय आंशिक बादल छाए रहे। दोपहर तक मौसम साफ हो गया। शुक्रवार शाम जिले के कुछ इलाकों में बारिश और ओलावृष्टि से तापमान में गिरावट आ गई। अधिकतम तापमान 3.5 डिग्री की गिरावट के साथ 31.0 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। न्यूनतम तापमान 1.6 डिग्री की कमी के साथ 19.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अगले सप्ताह मौसम साफ होने की संभावना

रेवाड़ी। एक खेत में काटकर डाली गई गेहूं की फसल। फोटो : हरिभूमि

किसानों को मिली मौसम से राहत

इस समय गेहूं की कटाई का कार्य अंतिम चरण में चल रहा है। अगले दो-तीन दिन तक बारिश नहीं होती है, तो फसल कटाई का कार्य लगभग पूरा हो जाएगा। इसके बाद किसान बची हुई सरसों और गेहूं निकालने पर जोर देंगे। मार्च माह के दूसरे पखवाड़े से मौसम ने किसानों को परेशान करना शुरू कर दिया था। कई गांवों में बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान हो चुका है। मौसम का खतरा बना रहने से किसान चिंतित नजर आ रहे हैं। गेहूं की कटाई जल्द से जल्द करने पर जोर दिया जा रहा है।

हवा में नमी का स्तर 62 प्रतिशत तक रहा

हवा में नमी का स्तर 62 प्रतिशत तक रहा, जबकि हवाओं की रफ्तार काफी कम रही। तापमान में गिरावट के बाद मौसम एक बार फिर से कूल हो गया। मौसम विभाग के अनुसार रविवार और सोमवार को भी आंशिक या घने बादल छा सकते हैं। कुछ इलाकों में बूंदाबांदी या बारिश हो सकती है। अगले मंगलवार को तेज हवाओं के साथ बारिश का अनुमान लगाया जा रहा है। पश्चिमी विक्षोभ बार-बार सक्रिय होने से अप्रैल माह में अभी तक मौसम साफ नहीं हुआ है। 10 अप्रैल के बाद मौसम साफ होने की संभावना है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार घायल

बावल। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर बनीपुर चौक के पास किसी वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने के बाद वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी। सोनीपत के के राई निवासी शुभम और रोहित बावल आईएमटी की कंपनियों में मैन पावर सप्लाई का काम करते हैं। शुक्रवार की रात दोनों राजस्थान के जाट बहरोड से बावल की ओर आ रहे थे। एक होटल के पास उनकी बाइक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे दोनों गिरकर घायल हो गए। होटल पर मौजूद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस की पीसीआर ने मौके पर जाकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से हादसे को अंजाम देने वाले वाहन का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया

●

युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता हैकाम

बाजार की उठापटक

एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने दिया बढ़िया रिटर्न

बाजार की अनिश्चितता के बीच भी एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने यह साबित किया है कि सही रणनीति और अनुभव के दम पर बेहतर रिटर्न हासिल किया जा सकता है। हालांकि, हर निवेश में जोखिम होता है, इसलिए सोच-समझकर और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार ही निवेश करना चाहिए। आज के समय में सबसे समझदारी भरा कदम यही है कि निवेशक एक्टिव और पैसिव दोनों का संतुलित पोर्टफोलियो बनाएं। इससे न केवल जोखिम कम होगा, बल्कि लंबी अवधि में बेहतर और स्थिर रिटर्न पाने की संभावना भी बढ़ेगी।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है। वैश्विक तनाव, महंगाई, ब्याज दरों में बदलाव और आर्थिक अनिश्चितता जैसे कई कारण बाजार को प्रभावित करते रहते हैं। ऐसे माहौल में अक्सर निवेशक असमंजस में पड़ जाते हैं कि पैसा कहां लगाया जाए। लेकिन हाल के वर्षों के आंकड़े एक अलग कहानी बताते हैं—बाजार की अस्थिरता के बावजूद एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न देकर उम्मीद जगाई है। पिछले तीन वर्षों में जब दुनिया ने महामारी के बाद की आर्थिक चुनौतियों, युद्ध जैसे हालात और वैश्विक मंदी के डर का सामना किया, तब भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग ने मजबूती दिखाई। खासकर एक्टिव फंड मैनेजमेंट ने निवेशकों के लिए अतिरिक्त रिटर्न पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आंकड़ों के अनुसार, बड़ी संख्या में एक्टिव फंड्स ने अपने बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसे वित्तीय भाषा में "पॉजिटिव अल्फा" कहा जाता है। इसका मतलब है कि फंड मैनेजर ने बाजार से बेहतर कमाई कराई।

छोटी कंपनियों में बड़ा मौका

अगर विभिन्न कैटेगरीज पर नजर डालें तो स्मॉलकैप फंड्स ने सबसे ज्यादा आकर्षक रिटर्न दिया है। इसकी वजह साफ है—छोटी कंपनियों के बारे में जानकारी सीमित होती है और उनमें ग्रोथ की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। ऐसे में कुशल फंड मैनेजर सही स्टॉक्स का चयन करके निवेशकों को ज्यादा फायदा दिला सकते हैं। मिडकैप और लार्जकैप फंड्स ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इनमें प्रतिस्पर्धा ज्यादा होती है और जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होती है।

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया

●

युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता है काम

कठिन समय में एक्टिव मैनेजमेंट की अहमियत

जब बाजार में अनिश्चितता बढ़ती है, तब एक्टिव फंड्स की असली ताकत सामने आती है। पैसिव फंड्स जहां केवल इंडेक्स को फॉलो करते हैं, वहीं एक्टिव फंड मैनेजर के पास फैसले लेने की पूरी स्वतंत्रता होती है। वे बाजार की स्थिति के अनुसार पोर्टफोलियो में बदलाव कर सकते हैं। जैसे कि कमजोर प्रदर्शन करने वाले शेयरों से बाहर निकलना और मजबूत संभावनाओं वाले स्टॉक्स में निवेश बढ़ाना। यही लचीलापन एक्टिव फंड्स को अलग बनाता है। उदाहरण के तौर पर, जब किसी सेक्टर में गिरावट आती है, तो एक्टिव मैनेजर वहां से पैसा निकालकर दूसरे उभरते सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। इससे जोखिम कम होता है और रिटर्न बेहतर बनने की संभावना बढ़ती है।

पैसिव फंड्स का बढ़ता ट्रेंड

हाल के वर्षों में पैसिव फंड्स यानी इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ का चलन भी तेजी से बढ़ा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है इनकी कम लागत। चूंकि इन फंड्स में एक्टिव मैनेजमेंट नहीं होता, इसलिए इनका एक्सपेंस रेशियो कम रहता है। विशेषज्ञों का मानना है कि लार्जकैप सेगमेंट में पैसिव फंड्स एक अच्छा विकल्प बनते जा रहे हैं। इसका कारण यह है कि बड़ी कंपनियों के बारे में सभी को जानकारी होती है, जिससे एक्टिव मैनेजर के लिए अतिरिक्त रिटर्न निकालना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कम लागत वाले पैसिव फंड्स निवेशकों के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

एक्टिव और पैसिव का संतुलन जरूरी

निवेश के मामले में "एक ही रास्ता सही है" ऐसा नहीं होता। समझदारी इसी में है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो में एक्टिव और पैसिव दोनों तरह के फंड्स का संतुलन बनाए रखें। जहां एक्टिव फंड्स आपको अतिरिक्त रिटर्न का मौका देते हैं, वहीं पैसिव फंड्स स्थिरता और कम लागत का फायदा देते हैं। उदाहरण के तौर पर, आप अपने निवेश का एक हिस्सा लार्जकैप इंडेक्स फंड में रख सकते हैं और दूसरा हिस्सा मिडकैप या स्मॉलकैप एक्टिव फंड्स में लगा सकते हैं। इससे जोखिम भी संतुलित रहेगा और रिटर्न की संभावना भी बेहतर होगी।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- **लंबी अवधि का नजरिया रखें :** बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए निवेश को कम से कम 3-5 साल के नजरिए से देखें।
- **फंड का ट्रैक रिकॉर्ड देखें:** केवल हाल का प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि लंबी अवधि का रिकॉर्ड भी जांचें।
- **फंड मैनेजर की रणनीति समझें:** यह जानना जरूरी है कि फंड किस तरीके से निवेश करता है।
- **डायवर्सिफिकेशन बनाए रखें :** सभी पैसे को एक ही फंड या कैटेगरी में न लगाएं।
- **नियमित निवेश (एसआईपी):** बाजार के उतार-चढ़ाव से बचने के लिए एसआईपी एक अच्छा तरीका है।

पैसों की सही समझ ही बनाएगी आपको धनवान

बेहतर लाइफ के लिए फाइनेंशियल लिटरेसी क्यों है जरूरी

फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ सपने देखने तक सीमित नहीं यह बल्कि उन्हें हासिल करने की सही दिशा भी देती है

हर व्यक्ति के जीवन में कुछ लक्ष्य होते हैं। जैसे घर खरीदना, बच्चों को अच्छी शिक्षा देना या रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन जीना। इसके लिए मेहनत और कमाई जरूरी हैं, लेकिन इन लक्ष्यों को हासिल करना इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप अपने पैसों को कितनी समझदारी से संभालते हैं। यहीं पर फाइनेंशियल लिटरेसी की भूमिका अहम होती है। फाइनेंशियल लिटरेसी आपको सिर्फ सपने देखने से आगे बढ़कर उन्हें प्लान करने में मदद करती है। जैसे सिर्फ यह कहना कि 'मुझे घर खरीदना है' काफी नहीं है, बल्कि आपको यह समझना होता है कि उसकी कीमत क्या होगी, कब खरीदना है और हर महीने कितनी बचत करनी होगी।

लक्ष्य तय करते समय ध्यान रखें

- लक्ष्य स्पष्ट और समयबद्ध होना चाहिए
- उसकी अनुमानित लागत का पता होना चाहिए
- हर महीने कितनी बचत करनी है, यह तय करें
- लक्ष्य को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटें
- उदाहरण के लिए, अगर आप घर खरीदना चाहते हैं, तो उसकी कीमत, डाउन पेमेंट और समयसीमा का स्पष्ट प्लान बनाना जरूरी है।

बजट बनाना: पैसों को संभालने की सबसे जरूरी स्कि बजट बनाना आपके वित्तीय जीवन की नींव है। यह आपको यह समझने में मदद करता है कि आपकी आमदनी कहां खर्च हो रही है और कहां बचत की जा सकती है।

बजट बनाने के फायदे

- खर्चों पर नियंत्रण मिलता है
- बचत की आदत विकसित होती है
- फालतू खर्च कम होते हैं
- वित्तीय लक्ष्य हासिल करना आसान होता है
- आसान बजट नियम (50-30-20)
- 50%: जरूरतें (खाना, किराया, बिल)
- 30%: इच्छाएं (घूमना, शॉपिंग)
- 20%: बचत और निवेश
- नियमित बचत, चाहे छोटी ही क्यों न हो, समय के साथ बड़ी पूंजी में बदल जाती है।

लोन और क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल

- आज के समय में लोन और क्रेडिट कार्ड आम हो गए हैं, लेकिन इनका गलत उपयोग आपको कर्ज के जाल में फंसा सकता है।
- समय पर ईएमआई और बिल का भुगतान करें
- जरूरत के अनुसार ही कर्ज लें
- क्रेडिट कार्ड का लिमिट से ज्यादा उपयोग न करें
- ब्याज दरों को समझें

ध्यान रखने योग्य बातें

- लेट पेमेंट से ब्याज तेजी से बढ़ता है
- खराब क्रेडिट स्कोर भविष्य में लोन मिलने में दिक्कत पैदा कर सकता है
- जिम्मेदारी से उपयोग करने पर क्रेडिट स्कोर बेहतर होता है

समझदारी से निवेश : पैसे को बढ़ाने का तरीका सिर्फ पैसे बचाना काफी नहीं है, उसे बढ़ाना भी जरूरी है। इसके लिए निवेश सबसे प्रभावी तरीका है।

निवेश क्यों जरूरी है

- महंगाई से बचाव
- लंबे समय में संपत्ति निर्माण
- अतिरिक्त आय का स्रोत

निवेश के विकल्प

- म्यूचुअल फंड
- शेयर बाजार
- फिक्स्ड डिपॉजिट
- पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)
- सही निवेश का चयन आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय अवधि पर निर्भर करता है। नियमित निवेश और धैर्य से बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।

जोखिम से सुरक्षा: सुरक्षित भविष्य की गारंटी : जीवन में अनिश्चितताएं कभी भी आ सकती हैं। जैसे नौकरी का जाना, बीमारी या कोई अन्य आपात स्थिति। ऐसे समय में आपकी वित्तीय योजना पर असर पड़ सकता है।

सुरक्षा के जरूरी उपाय

- इमरजेंसी फंड (6–12 महीने का खर्च)
- लाइफ इंश्योरेंस
- हेल्थ इंश्योरेंस

क्यों जरूरी है सुरक्षा?

- मुश्किल समय में आर्थिक सहारा मिलता है
- परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित होती है
- आपके वित्तीय लक्ष्यों पर असर नहीं पड़ता

एक नजर में लाभ

- पैसों का बेहतर प्रबंधन
- सही निर्णय लेने की क्षमता
- तनाव में कमी
- भविष्य के लिए मजबूत आधार

यह एक जीवनशैली : फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ एक स्किल नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। यह आपको अपने पैसों के प्रति जागरूक बनाती है और सही फैसले लेने में मदद करती है। चाहे आप कितना भी कमाते हों, अगर आप उसे सही तरीके से मैनेज करना जानते हैं, तो आप अपने सभी वित्तीय लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। कमाई से ज्यादा जरूरी है समझदारी से खर्च, बचत और निवेश करना। अगर आप आज से ही इन सिद्धांतों को अपनाना शुरू कर देते हैं, तो भविष्य में एक सुरक्षित और समृद्ध जीवन आपका इंतजार कर रहा होगा।

गिरावट के दौर में समझदारी से करें काम

●

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य प्रक्रिया

●

मौजूदा गिरावट को अवसर के रूप में देखें

●

सही रणनीति, धैर्य और लंबी अवधि की सोच के साथ निवेश करें

शेयर बाजार में हाहाकार

कैसे होगा निवेशकों का बेड़ापार

ईरान युद्ध को एक महीना पूरा होने के साथ ही वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता का माहौल बन गया है, जिसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला है। बीते एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है, जिससे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू में भी गिरावट आई है। इस उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है और वे अब यह सोचने पर मजबूर हैं कि मौजूदा हालात में उन्हें क्या रणनीति अपनानी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस समय इक्विटी में एकमुश्त (लमसम) निवेश करना सही रहेगा? एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसका जवाब निवेशक की जोखिम लेने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। वर्तमान में निफ्टी का प्राइस-टू-अर्निंग (पीई) रेश्यो घटकर लगभग 19.7 पर आ गया है, जो सितंबर 2024 के 24.4 के स्तर से काफी नीचे है। ऐतिहासिक रूप से 20 से नीचे का पीई रेश्यो लंबी अवधि के निवेश के लिए आकर्षक माना जाता है। ऐसे में जिन निवेशकों का नजरिया पांच साल या उससे अधिक का है और जो बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, वे निवेश के अवसर तलाश सकते हैं।

चरणबद्ध तरीके से निवेश करें

हालांकि विशेषज्ञ एकमुश्त निवेश करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करने की सलाह देते हैं। उदाहरण के तौर पर, कुल निवेश राशि का लगभग 25-30 फीसदी अभी लगाया जा सकता है, जबकि बाकी रकम को आने वाले महीनों में धीरे-धीरे निवेश किया जा सकता है। इससे बाजार में और गिरावट की स्थिति में निवेशक बेहतर औसत कीमत हासिल कर सकते हैं।

यह भी सुरक्षित रणनीति

एक अन्य सुरक्षित रणनीति सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) हो सकती है। इसमें निवेशक पहले अपनी राशि को किसी लिक्विड फंड में डालते हैं, जहां उन्हें लगभग 6-7 फीसदी का रिटर्न मिल सकता है। इसके बाद यह राशि धीरे-धीरे इक्विटी फंड्स में ट्रांसफर होती रहती है। यह तरीका बाजार के उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

पोर्टफोलियो की समीक्षा करें

अब बात करते हैं पोर्टफोलियो में बदलाव की। मौजूदा बाजार परिस्थितियां निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करने का सही समय मानी जा रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को अपनी जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्यों और निवेश अवधि को ध्यान में रखते हुए अपने निवेश का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। यदि किसी निवेशक का पैसा एक ही एसेट क्लास या किसी विशेष सेक्टर में अधिक केंद्रित है, तो उसे विविधता लाने की जरूरत है। बीते कुछ समय में कई निवेशकों ने सोना, चांदी या किसी खास थीमेटिक फंड में अधिक निवेश किया है, जिससे उनका पोर्टफोलियो असंतुलित हो गया है। ऐसे निवेशकों को लार्ज-कैप इंडेक्स फंड्स या फ्लेक्सी-कैप फंड्स जैसे विविधीकृत विकल्पों की ओर रुख करना चाहिए। इससे जोखिम कम होता है और लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ती है।

जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक

जहां तक घाटा दे रही स्कीमों का सवाल है, विशेषज्ञों का मानना है कि जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक हो सकता है। जिन निवेशकों की निवेश अवधि सात साल या उससे अधिक है, उन्हें डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में निवेश जारी रखना चाहिए और शॉर्ट-टर्म गिरावट को नजरअंदाज करना चाहिए। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है और लंबी अवधि में यह अक्सर संतुलित हो जाता है।

जोखिम क्षमता से अधिक है, तो पुनर्विचार करें

यदि किसी निवेशक का बड़ा हिस्सा सेक्टोरल या थीमेटिक फंड्स में लगा है और वह उनकी जोखिम क्षमता से अधिक है, तो उसे इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। ऐसी स्थिति में अतिरिक्त निवेश कर नुकसान की भरपाई (एवरेजिंग) करना हमेशा सही रणनीति नहीं होती। बेहतर होगा कि निवेशक अपनी हिस्सेदारी को संतुलित करें और जरूरत पड़ने पर इन फंड्स में निवेश कम करके डाइवर्सिफाइड फंड्स में शिफ्ट करें। कुल मिलाकर, मौजूदा बाजार गिरावट को घबराने के बजाय एक अवसर के रूप में देखा जा सकता है, बशर्ते निवेशक धैर्य और समझदारी से काम लें। लंबी अवधि का नजरिया, विविधीकृत पोर्टफोलियो और चरणबद्ध निवेश जैसी रणनीतियां इस अस्थिर माहौल में भी निवेशकों को सुरक्षित और लाभदायक दिशा दे सकती हैं।

एक्सपर्ट्स की सलाह

- गिरावट में घबराएं नहीं, यह निवेश का मौका भी हो सकता है
- लमसम के बजाय चरणबद्ध निवेश अपनाएं
- एसटीपी के जरिए जोखिम कम करें
- पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाइड रखें
- लंबी अवधि का नजरिया बनाए रखें

इसलिए आई गिरावट

ईरान युद्ध के चलते वैश्विक अनिश्चितता बढ़ी है, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर साफ दिख रहा है। पिछले एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है। इसका सीधा असर इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू पर पड़ा है, जिससे निवेशकों में घबराहट का माहौल है।

रिटायरमेंट के बाद पैसा खत्म न हो

सही प्लानिंग और अनुशासन से बनाएं सुरक्षित भविष्य

बिजनेस डेस्क। हर इंसान चाहता है कि रिटायरमेंट के बाद उसकी जिंदगी आरामदायक और चिंता मुक्त हो। लेकिन जैसे ही नियमित आय का स्रोत बंद होता है, सबसे बड़ा सवाल सामने आता है। "क्या मेरी बचत पूरी जिंदगी साथ दे पाएगी?" बढ़ती महंगाई, हेल्थकेयर का खर्च और बदलती लाइफस्टाइल जरूरतें इस चिंता को और बढ़ा देती हैं। कई लोग यह तय ही नहीं कर पाते कि हर साल कितना खर्च करना सुरक्षित रहेगा ताकि पैसा जल्दी खत्म न हो। यहीं पर 4% रूल एक आसान और व्यवहारिक गाइडलाइन के रूप में सामने आता है। यह कोई जटिल फाइनेंशियल फॉर्मूला नहीं, बल्कि एक सरल तरीका है जो यह समझने में मदद करता है कि आपकी बचत को कितने संतुलित तरीके से खर्च किया जाए।

क्या कहता है 4% रूल

4% रूल के अनुसार आप रिटायरमेंट के पहले साल में अपनी कुल बचत का करीब 4% निकाल सकते हैं। इसके बाद हर साल इस अमाउंट को महंगाई के अनुसार थोड़ा बढ़ाया जाता है। उदाहरण के लिए, अगर आपके पास 50 लाख रुपए की बचत है, तो पहले साल आप करीब 2 लाख रुपए खर्च कर सकते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि आपकी बाकी बचत निवेश में बनी रहे और समय के साथ बढ़ती भी रहे।

अब पैसा भी करेगा आपके लिए काम

पैसिव इनकम का आसान व स्मार्ट रास्ता

- पहले अपनी इनकम और खर्च को समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं
- अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें
- नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें
- स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

पैसिव इनकम का मतलब है कम मेहनत में लगातार कमाई। इसके लिए पहले अपनी इनकम-खर्च समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं। अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें। नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें, जिससे समय के साथ स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार हो सके। आप हर दिन मेहनत करके पैसा कमाते हैं। लेकिन जब कुछ पैसा अपने आप भी आपके लिए काम करने लगे, तो एक अलग सुकून मिलता है। यही 'पैसिव इनकम' का आसान मतलब है। यानी एक बार व्यवस्था बना लें और समय के साथ बिना ज्यादा रोजाना मेहनत के पैसा आता रहे। भारत में कई लोगों के लिए यह सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर आर्थिक स्थिरता बनाने का पहला कदम होता है।

सबसे पहले समझें अपनी इनकम और खर्च

- पैसिव इनकम की शुरुआत करने से पहले अपनी मौजूदा वित्तीय स्थिति को समझना बेहद जरूरी है। हर महीने आपकी कुल आमदनी कितनी है और खर्च किन-किन चीजों पर होता है, इसका साफ हिसाब रखें।
- अपने खर्च को तीन हिस्सों में बांटें जरूरी (राशन, किराया, बिल), जीवनशैली (मनोरंजन, घूमना) और बचत। इससे आपको पता चलेगा कि हर महीने कितना पैसा बचता है, जिसे आप निवेश या किसी पैसिव इनकम स्रोत में लगा सकते हैं।

इमरजेंसी फंड बनाना है पहली प्राथमिकता

कोई भी निवेश शुरू करने से पहले एक मजबूत इमरजेंसी फंड होना जरूरी है। यह फंड कम से कम 3 से 6 महीने के खर्च के बराबर होना चाहिए। इसका फायदा यह है कि अचानक आने वाली मेडिकल, नौकरी या अन्य किसी समस्या के समय आपको अपने निवेश को तोड़ना नहीं पड़ेगा। यह आपकी वित्तीय योजना को सुरक्षित रखता है और आपको मानसिक शांति देता है।

अपनी स्किल को बनाएं इनकम का जरिया

पैसिव इनकम का सबसे आसान और कम जोखिम वाला तरीका है। अपनी स्किल का इस्तेमाल करना। अगर आप किसी चीज में अच्छे हैं, जैसे पढ़ाना, लिखना, डिजाइनिंग, कुकिंग या म्यूजिक, तो उसे डिजिटल फॉर्म में बदल सकते हैं। आप ऑनलाइन कोर्स बना सकते हैं, ई-बुक लिख सकते हैं या वीडियो कंटेंट तैयार कर सकते हैं। एक बार यह काम तैयार हो जाने के बाद, यह लंबे समय तक आपको कमाई देता रहता है।

छोटे निवेश से करें शुरुआत

बहुत से लोग यह सोचकर निवेश शुरू नहीं करते कि उनके पास बड़ी रकम नहीं है। जबकि सच्चाई यह है कि छोटे निवेश भी समय के साथ बड़ा रूप ले सकते हैं। हर महीने एक तय राशि निवेश करना एक मजबूत आदत बनाता है। यह निवेश धीरे-धीरे बढ़ता है और कंपाउंडिंग का फायदा देता है। जरूरी यह है कि आप नियमित रहें और लंबे समय के नजरिए से निवेश करें।

ऑटोमेशन से बनाएं आसान सिस्टम

पैसिव इनकम का असली खेल सिस्टम बनाने में है। आप अपने बैंक अकाउंट से हर महीने ऑटोमैटिक निवेश या बचत की व्यवस्था कर सकते हैं। इससे आपको हर बार सोचने या निर्णय लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह छोटा सा कदम आपको अनुशासन सिखाता है और धीरे-धीरे बड़ी संपत्ति बनाने में मदद करता है।

जोखिम और रिटर्न का रखें संतुलन

हर पैसिव इनकम का तरीका पूरी तरह सुरक्षित नहीं होता। कुछ विकल्प ज्यादा रिटर्न देते हैं, लेकिन उनमें जोखिम भी ज्यादा होता है। इसलिए जरूरी है कि आप अपने निवेश को अलग-अलग जगहों पर बांटें। इससे अगर एक जगह नुकसान हो, तो दूसरी जगह से संतुलन बना रहता है। सही संतुलन आपको स्थिर और सुरक्षित इनकम देता है।

लाइफ इंश्योरेंस और सुरक्षा भी जरूरी

पैसिव इनकम की योजना में सुरक्षा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक अच्छा इंश्योरेंस प्लान आपके परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है और आपके निवेश को भी सुरक्षित रखता है। यह आपके वित्तीय प्लान का एक मजबूत आधार बनता है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

छोटे-छोटे कदम, बड़ा बदलाव

पैसिव इनकम कोई रातों-रात अमीर बनने का तरीका नहीं है। यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें धैर्य और अनुशासन की जरूरत होती है। आपको बड़े लक्ष्य के बजाय छोटे-छोटे सिस्टम बनाने पर ध्यान देना चाहिए। जैसे—हर महीने बचत करना, नियमित निवेश करना और साल में एक-दो बार अपनी योजना की समीक्षा करना।

समय के साथ बनती है असली ताकत

पैसिव इनकम की सबसे बड़ी ताकत है समय। जितनी जल्दी आप शुरुआत करेंगे, उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। छोटी-छोटी रकम समय के साथ बड़ी बन जाती है और एक स्थिर इनकम का स्रोत तैयार करती है। यह आपको आर्थिक आजादी की ओर ले जाती है, जहां आप सिर्फ काम करने के लिए काम नहीं करते, बल्कि अपने मन से जीवन जी सकते हैं।

पैसे पैसा कमाएं

पैसिव इनकम एक सोच है, जो आपको सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर संपत्ति बनाने की दिशा में ले जाती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी वित्तीय स्थिति को समझें, सुरक्षा फंड बनाएं, अपनी स्किल का उपयोग करें और छोटे-छोटे निवेश से शुरुआत करें। नियमितता, अनुशासन और सही योजना के साथ आप भी अपने पैसे को अपने लिए काम करने पर मजबूर कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

उप स्वास्थ्य केंद्र बुचौली में लगाया स्वास्थ्य शिविर

महेंद्रगढ। उप स्वास्थ्य केंद्र बुचौली में टीबी जांच शिविर लगाया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पूनम रेबारी, रेणु कुमारी व सोनू ने 77 ग्रामीणों की टीबी स्क्रीनिंग की। इनमें से 18 टीबी संभावित मरीजों के बलगम के सैंपल लेकर उनको पोर्टल पर दर्ज करके उनके बलगम जांच के लिए उप नागरिक अस्पताल कनीना लैब में भेजे गए। शिविर के आयोजन में पवन एसटीएस, देवेन्द्र हूमन कोरियर, आशा वर्कर तारामणी और उर्मिला ने विशेष सहयोग दिया।

खत्रीपुर में बाबा दाढ़ी वाला का भंडारा आज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव खत्रीपुर में पांच अप्रैल को बाबा दाढ़ी वाला का भव्य भंडारा आयोजित किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर गांव में उत्साह का माहौल बना हुआ है। जानकारी देते हुए दिनेश बाबूजी ने बताया कि भंडारे का आयोजन सूबेदार कंवल सिंह यादव द्वारा करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हवन के उपरांत सुबह 10 बजे से भंडारे में प्रसाद वितरण शुरू कर दिया जाएगा।

भाजपा स्थापना दिवस की तैयारी के लिए बैठक

नारनौल। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस को मंडल की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष हेमंत चौबे ने की। इस अवसर पर जिला मंत्री मनीष संघी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि छह अप्रैल को स्थापना दिवस को पूरे उत्साह के साथ बूथ स्तर पर मनाया जाएगा। मंडल अध्यक्ष ने कहा कि यह दिन हर कार्यकर्ता के लिए गर्व का प्रतीक है। पार्टी की असली ताकत बूथ स्तर का कार्यकर्ता होता है। बैठक में निर्णय किया गया कि कल छह अप्रैल को सभी कार्यकर्ता अपने अपने घरों व प्रतिष्ठानों पर पार्टी का ध्वज फहराएंगे। इस मौके पर मंडल उपाध्यक्ष मंजू सोनी, जगदीश दीवान, राजेश शर्मा, सुरेश गुप्ता, मंडल महामंत्री रमेश जांगिड़, महेश सैनी, मंडल सचिव नरेंद्र सोनी, सुरेंद्र सोनी आदि मौजूद रहे।

मूलोदी में शिविर लगा लोगों का किया चेकअप

नांगल चौधरी। मूलोदी गांव में स्वास्थ्य विभाग ने 100 दिवसीय टीबी के सक्रिय केस फाइंडिंग करने के मकसद से निक्षय शिविर लगाया गया। जिसमें विभाग की मोबाइल टीम ने संदिग्द ग्रामीणों का चेकअप करने के बाद थूक व अन्य सैंपल लिए हैं। जिन्हें विभागीय लैब में भेजकर जांच कराई जाएगी तथा रिपोर्ट के आधार पर मरीजों को निशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जाएगा।

जिले के 83 छात्रों ने पाई सफलता

एनएमएमएस परीक्षा में महेंद्रगढ़ की छात्रा गीत प्रदेश में प्रथम, तीसरा स्थान जिला के पार्थिव सैनी को मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

एससीईआरटी गुरुग्राम की ओर से नेशनल मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप स्कीम (एनएमएमएस) परीक्षा 2025 का परिणाम घोषित कर दिया गया है। इस परीक्षा में प्रदेश के 2337 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। वहीं जिला महेन्द्रगढ़ से 83 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की है। सबसे बड़ी बात है कि इस परीक्षा में जो विद्यार्थी प्रदेशभर में प्रथम रहा है, वह महेंद्रगढ़ जिला से है। यहीं नहीं, प्रदेश में तीसरे नंबर पर रहने वाला विद्यार्थी भी इसी जिले से है।

विद्यार्थी गीत माहलावत

विद्यार्थी पार्थिव सैनी

डीईओ विश्वेशवर कौशिक

जिला नोडल अधिकारी संजय कुमार बताते है कि चयनित विद्यार्थियों को निर्धारित शर्तों के अनुसार 12 हजार प्रति वर्ष की छात्रवृत्ति कक्षा नौंवी से 12वीं तक (कुल 48 हजार) प्रदान की जाएगी। यह छात्रवृत्ति उन विद्यार्थियों को ही मिलेगी, जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय 3.50 हजार से कम है तथा वे सरकारी विद्यालय में अध्ययन जारी रखते हैं।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यदि कोई विद्यार्थी अन्य विद्यालय में प्रवेश के लिए अपना स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (एसएलसी) लेता है, तो विद्यालय मुखिया प्रमाण पत्र पर यह अवश्य उल्लेख करे कि "इस विद्यार्थी ने नेशनल मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप स्कीम परीक्षा 2025 उत्तीर्ण की है।"

सभी विद्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि वे चयनित विद्यार्थियों का डेटा एनएसपी पोर्टल पर जून-जुलाई माह में अनिवार्य रूप से ऑनलाइन अपलोड करवाएं। उल्लेखनीय है कि एनएमएमएस परीक्षा का आयोजन 30 नवम्बर 2025 को किया गया था। यह योजना मिनिस्ट्री ऑफ एज्यूकेशन इंडिया द्वारा प्रायोजित है तथा देशभर के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा आठवीं के मेधावी विद्यार्थियों के लिए है।

प्रदेशभर में यह विद्यार्थी रहे प्रथम व तृतीय

राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में छात्रा गीत माहलावत पुत्री समीर चौधरी है। यह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मेघोत से है। इस छात्रा ने प्रदेशभर में प्रथम स्थान हासिल किया है। वहीं जीएमएसएसएस नारनौल से विद्यार्थी पार्थिव सैनी पुत्र जितेन्द्र ने प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया है। जिले के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए महेन्द्रगढ़ का नाम पूरे प्रदेश में गौरवान्वित किया है।

क्या कहते हैं डीईओ

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विश्वेश्वर कौशिक ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा इस उपलब्धि के लिए अध्यापकों, विद्यालय प्रमुखों एवं खंड शिक्षा अधिकारियों को भी बधाई दी।

■ नौंवी से 12वीं कक्षा तक इन्हें मिलेंगी प्रति छात्र 48 हजार रुपये की स्कॉलरशिप राशि

कार्रवाई होने के बाद सप्लाई सस्पेंड

निजामपुर की वरुणा गैस एजेंसी पर त्रुटियां मिली, केस दर्ज हुआ

गड़बड़ी का लगा था आरोप फिलहाल एजेंसी से केवल उपलब्ध स्टॉक ही वितरित किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

निजामपुर की मैसर्स वरूणा एचपी गैस एजेंसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने उपरांत हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनी ने इसकी गैस सप्लाई को सस्पेंड कर दिया है। फिलहाल इस एजेंसी से केवल उपलब्ध स्टॉक ही वितरित किया जाएगा। इसके बाद इसकी गैस आपूर्ति को अस्थाई तौर पर बंद कर दिया जाएगा। इस एजेंसी पर गैस वितरण में गड़बड़ी के आरोप हैं।

नारनौल। निजामपुर में बना मै. वरूणा एचपी गैस का दफ्तर। फोटो : हरिभूमि

यह बोले अधिकारी

मैसर्स वरूणा गैस एजेंसी के विरुद्ध अनियमितताओं के आरोप थे। इनकी जांच भी करवाई गई, जिसमें आरोप सही पाने पर केस दर्ज कराया गया था। अब एचपी ने इसकी गैस सप्लाई सस्पेंड कर दी है। आगामी आदेशों तक इसकी सप्लाई बंद रहेगी। इसके उपभोक्ताओं को नजदीकी एजेंसियों से जोड़ा जाएगा। यह सारे निर्णय एचपी को ही लागू करने हैं। हमारा केवल सुपरविजन रहेगा। **-अरुण सैनी, एडीएफएससी, नारनौल**

अटेली में छापेमारी, 3 सिलेंडर जब्त

नारनौल। जिले में एलपीजी गैस की कालाबाजारी को रोकने व उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी कड़ी में उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार के दिशानिर्देशानुसार शनिवार को अटेली क्षेत्र में अवैध रूप से गैस सिलेंडरों के उपयोग की सूचना पर विशेष छापेमारी की गई। इंस्पेक्टर विनोद कुमार के नेतृत्व में टीम ने विभिन्न स्थानों पर दबिश दी। इस दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर तीन घरेलू गैस सिलेंडर मौके पर ही जब्त कर लिए गए। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गैस वितरण प्रणाली में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कालाबाजारी करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेगी। जिले में गैस की उपलब्धता को लेकर प्रशासन ने आंकड़े साझा करते हुए सहायक खाद्य पूर्ति अधिकारी अरुण सैनी ने बताया कि जिहले में एलपीजी की कोई कमी नहीं है। शुक्रवार को विभिन्न गैस एजेंसियों के पास कुल 10ए544 सिलेंडरों का कुल स्टॉक उपलब्ध रहा, जिसमें से 5799 सिलेंडर आज ही प्लांट से प्राप्त हुए हैं।

नियम तोड़ने वालों पर पुलिस सख्त काटे चालान

मंडी अटेली। अटेली मंडी में शनिवार को ट्रैफिक पुलिस ने नियमों के उल्लंघन पर सख्ती बरतते हुए विशेष अभियान चलाया। इस दौरान शहर के मुख्य चौक-चौराहों और व्यस्त मार्गों पर सब इंस्पेक्टर संतलाल व उनकी टीम तैनात रही और वाहनों की गहन जांच की गई। अभियान के दौरान ब्लैक फिल्म लगे वाहनों के शीशों को मौके पर ही उतरवाया गया। वहीं बुलेट मोटरसाइकिलों की भी जांच की गई। इसके साथ ही बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों पर पुलिस की विशेष नजर रही। कई वाहन चालकों को रोककर ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी गई जबकि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चालान काटे गए। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर रुक-रुक कर जांच अभियान चलाया जिससे वाहन चालकों में हड़कंप का माहौल बना रहा।

रा. स्कूल गुड़ियानी के तीन विद्यार्थियों ने उत्तीर्ण की एनएमएमएस परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

गुड़ियानी स्थित बाबू बालमुकुन्द गुप्त राजकीय माडल संस्कृति विद्यालय के विद्यार्थियों ने एनएमएमएस परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और अपने परिजनों का नाम रोशन किया है। प्राचार्य विद्याभूषण गुप्ता ने बताया कि आठवीं कक्षा की छात्रा मानवी ने प्रथम, जितेश ने द्वितीय तथा दृष्टि ने तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। प्राचार्य ने इस उपलब्धि का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन व अभिभावकों के सहयोग को दिया है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। प्राचार्य ने बताया कि यह परीक्षा आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए आयोजित होती है। इस परीक्षा का महत्व इसलिए है कि परीक्षा उत्तीर्ण करने पर विद्यार्थियों को बारहवीं कक्षा अर्थात चार साल तक प्रतिमाह एक हजार रुपये की छात्रवृत्ति मिलती है।

एनएमएमएस परीक्षा में सफल विद्यार्थियों के साथ शिक्षक भी किए गए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीकानेर में शनिवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्राचार्य मनोज कुमार ने नेशनल मींस कम मेरिट स्कॉलरशिप परीक्षा यानि एनएमएमएस में सफल विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि विद्यालय के चार मेधावी विद्यार्थियों ने एनएमएमएस परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति परीक्षा के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को चार वर्षों तक प्रति माह 1000 की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जो विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए संबल का कार्य करती है और विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करती है। अध्यापक मुकेश कुमार ने बताया कि छात्रा पूर्ति, इशिका, छात्र किशन कुमार और जतिन ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। छात्रा पूर्ति ने जिले भर में द्वितीय स्थान हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। विद्यार्थियों को विद्यालय स्टाफ एवं एसएमसी सदस्यों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। गणित अध्यापिका पूनम देवी ने विद्यार्थियों को विशेष उपहार भेंट कर उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने वाले एसएस अध्यापक रविंद्र कुमार सैनी, विज्ञान अध्यापिका हरिता शर्मा, अंग्रेजी अध्यापक मुकेश कुमार, हिंदी अध्यापिका मंजुलता, संस्कृत अध्यापिका प्रिया देवी व कला अध्यापक नरेंद्र सिंह को भी सम्मानित किया गया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों व शिक्षकों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रवक्ता विजय सिंह, सोमबीर यादव, सत्ते सिंह, विक्टोरिया, अनीता रोहिल्ला, नेहा शर्मा, मीनाक्षी चुग, पुनीता सैनी, एसएमसी उपाध्यक्ष मीनू कुमारी, कैप्टन फकीर चंद व प्रदीप कुमार सहित समस्त शिक्षक स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित थे।

रोहिंग्या व बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाने के लिए चला अभियान

रेवाड़ी। पुलिस व स्वैत टीम ने शनिवार को थाना कोसली व रामपुरा क्षेत्र में अनाधिकृत रूप से रहने वाले रोहिंग्या व बांग्ला देशी नागरिकों का पता लगाने के लिए सर्च अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने ईंट-भट्ठों, झुग्गी-झोपड़ियों, होटल, पोल्ट्री फार्म व अन्य संदिग्ध स्थानों पर अवैध तरीके से रहने वाले लोगों की जांच की। पुलिस टीम ने बाहरी श्रमिकों की भी जानकारी ली तथा उनके पहचान पत्रों व वाहनों के कागजातों की जांच की। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि जिले में अनाधिकृत रूप से किसी को भी रहने की छूट नहीं है। बाहरी लोगों की पहचान के लिए पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा। जिले में जो भी लोग बाहर से आकर रह रहे हैं, सुरक्षा की दृष्अि से उनकी पहचान होना अत्यंत आवश्यक है। एसपी मीणा ने जिला वासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी अपने पास काम करने वाले या किराए पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करवा लें, आपके मकान में रहने वाला अपराधी भी हो सकता है। अगर भविष्य में कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करता तो उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

रेवाड़ी। ग्रामीणों को जागरूक करती पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

नशे के खिलाफ किया जागरूक दिए साइबर अपराध से बचने के टिप्स

रेवाड़ी। पुलिस जिला पुलिस की ओर से नशा मुक्ति और समाजिक जागरूकता की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे है। नशा मुक्ति टीम ने शनिवार को गांव भैरमपुर भडंगी व साबन में ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों, साइबर अपराधों व यातायात के नियमों से अवगत कराया। इस अवसर पर टीम इंजार्ज इंस्पेक्टर रामपाल ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। नशा शरीर ही नहीं, बल्कि जीवन और समाज के लिए भी जहर है। नशा मुक्ति टीम ने ग्रामीणों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से लोगों की गोपनीय जानकारी चुराकर ठगी को अंजाम दे रहे है। ऐसे में सभी को सतर्क रहकर किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। साइबर ठगी होने पर साइबर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। पुलिस टीम ने कहा कि वाहन चलाते समय भी यातायात के नियमों का पालन करना जरूरी है। सुरक्षित यात्रा के लिए सभी हेलमेट, सीट बेल्ट और यातायात संकेतों का पालन करें। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति नशा करता है या नशा बेचता है तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस थाने में दें या मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 पर भी सूचना दे सकते है।

पहल | नंद सरोवर के संरक्षण के प्रयास शुरू

अहीरवाल हेरिटेज और नगर परिषद की संयुक्त टीम ने चलाया स्वच्छता अभियान

■ संस्था का उद्देश्य सरोवर व आसपास की ऐतिहासिक छतरियों के संरक्षण के लिए सरकार से सहयोग प्राप्त करना है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

ऐतिहासिक नंद सरोवर यानि छोटा तालाब के संरक्षण और सौंदर्यीकरण की दिशा में पहल करते हुए नगर परिषद और सामाजिक संस्था अहीरवाल हेरिटेज ने संयुक्त रूप से स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान वर्षों से उपेक्षित नंद सरोवर परिसर की साफ-सफाई का कार्य किया गया। स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांड एंबेसडर एवं संस्था की प्रधान प्रियंका यादव ने कहा कि डीएमसी ब्रह्मप्रकाश के नेतृत्व में अहीरवाल हेरिटेज संस्था शहर की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व संस्था की ओर से दिल्ली रोड स्थित ऐतिहासिक छतरी समूह यानि राव पूरन सिंह बाग पर स्वच्छता अभियान चलाकर उसे राज्य संरक्षित स्मारक घोषित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसकी देखरेख वर्तमान में होली चाइल्ड स्कूल की ओर से की जा रही है।

प्रियंका ने कहा कि संस्था का उद्देश्य अब नंद सरोवर और उसके आसपास स्थित ऐतिहासिक छतरियों के संरक्षण के लिए सरकार से विशेष सहयोग प्राप्त करना है, ताकि इस स्थल को भी राज्य संरक्षित स्मारक का दर्जा मिल सकें।

संस्था से जुड़े सहायक प्राध्यापक डा. सुशांत यादव व इंजीनियर सचिन ने बताया संस्था के सहयोग से 12 अप्रैल को राव तुलाराम हॉफ मैराथन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें शहरवासियों को आमंत्रित किया गया है। नंद सरोवर पर लंबे समय से अखाड़ा संचालित कर रहे वरिष्ठ नागरिक श्योलाल ने अहीरवाल हेरिटेज के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए इस स्थान के ऐतिहासिक महत्व से अवगत कराया।

रेवाड़ी। नंद सरोवर की सफाई करती संस्था व नप की टीम।

इन्होंने दिया योगदान

अभियान में एक कदम मानवता की ओर संस्था के प्रधान राकेश भार्गव, मुकेश सुल्तानिया, मंगेश कुमार, चंदर सोनी, चित्रकार अमन राव, राहुल खोला, रंगकर्मी मनोज शर्मा, एनएसएस स्वयंसेवक मयंक व सूरज सहित नगर परिषद से ओमप्रकाश, दीपक, कृष्ण कुमार, विजय व लक्ष्मण ने योगदान दिया।

सरपंच ग्राम पंचायत जाड़रा
ब्लॉक रेवाड़ी, जिला रेवाड़ी (हरियाणा)
मो. 9991369016, 9468213064

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत जाड़रा में तीन जोहड़ों को मछली पालन हेतु पट्टे पर छोड़ने के लिए बोली दिनांक 09.04.2026 को दिन के 11 बजे V.K.C. Center में आयोजित की जाएगी। इच्छुक बोलीदाता समय पर पहुंचें।

हस्ता/- सरपंच,
ग्राम पंचायत जाड़रा,
खण्ड रेवाड़ी

खबर संक्षेप

नितेश कुमार।

देव चौहान।

रावि के दो छात्रों का एनएमएमएस में चयन

बावल। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की ओर से घोषित एनएमएमएस स्कॉलरशिप परिणाम में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय राजगढ़ के दो छात्रों का चयन हुआ है। विद्यालय की प्राचार्या डा. शोभावती यादव ने बताया कि राष्ट्रीय छात्रवृत्ति प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र देव चौहान तथा नितेश कुमार का चयन हुआ है। उन्होंने बताया कि एनएमएमएस छात्रवृत्ति के अंतर्गत छात्रों को प्रतिमाह एक हजार रुपये छात्रवृत्ति के रूप में चार वर्षों तक मिलेंगे। प्राचार्य, ग्राम पंचायत तथा समस्त स्टाफ सदस्यों ने दोनों छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मोहल्ले में कपड़े उतारना पड़ा महंगा, आरोपी काबू

रेवाड़ी। शहर की एक कॉलोनी में शराब के नशे में कपड़े उताकर अश्लील प्रदर्शन करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। कॉलोनी के एक बुजुर्ग ने सदर थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि उसका पड़ौसी चंद्रमोहन अक्सर शराब पीने के बाद शरीर के अधिकांश कपड़े उतार देता है। वह मोहल्ले में अभद्र भाषा का इस्तेमाल भी करता है। पहले भी उसके खिलाफ शिकायत की जा चुकी है, परंतु पुलिस साधारण कार्रवाई करते हुए उसे छोड़ देती है। पुलिस ने बुजुर्ग की शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया। उसे हवालात में बंद रखने के बाद बीएनएस की धारा 286 के तहत पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

भांडोर में शहीद कैलाश चंद की प्रतिमा का अनावरण आज

रेवाड़ी। प्रदेश की स्वास्थ्य एवं आयुष मंत्री आरती सिंह राव 5 अप्रैल को जिले के गांव भांडोर में शहीद कैलाश चंद की प्रतिमा का अनावरण करेंगी। इसके अलावा स्वास्थ्य मंत्री गांव कुंड और शहर में विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में भी शिरकत करेंगी। स्वास्थ्य मंत्री रविवार को सुबह 10 बजे गांव भांडोर में शहीद कैलाश चंद की प्रतिमा का अनावरण करेंगी। कार्यक्रम के उपरांत मंत्री आरती सिंह राव गांव कुंड में सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होंगी। इनके अलावा स्वास्थ्य मंत्री शाम 5 बजे शहर के सेक्टर-1 में सुनील मूसेपुर के निवास स्थान और शाम 5:30 बजे अनाज मंडी में मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन नवल किशोर गुप्ता के आवास पर सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होंगी।

21 चोरी की वारदातों को अंजाम दिया, आरोपी गिरफ्तार

सब्जी की रेहड़ी से ट्रेनों में चोरी तक का सफर मोबाइल बेचकर हुई मोटी कमाई से लगा चस्का

चोरी का माल खरीदने वाला सुनार शिक्षित परिवार से, बहन एमबीबीएस डॉक्टर व भाई कर रहा पढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। जीआरपी की गिरफ्त में आरोपी। फोटो : हरिभूमि

ट्रेन में दो महिलाओं के लाखों रुपये के जेवरात व नकदी के पर्स चोरी करने के आरोपी यूपी के हिसावदा निवासी प्रिंसपाल की कहानी अजीब है। प्रिंसपाल सब्जी की रेहड़ी लगाकर अपना व परिवार का गुजारा करता था। एक बार चोरी का मोबाइल खरीदकर महंगे दामों पर बेचा, तो वह रेहड़ी छोड़कर चोरी के धंधे में कूद पड़ा। उसने एक के बाद एक 21 चोरी की वारदातों को अंजाम दिया।

जीआरपी की पूछताछ में प्रिंसपाल ने बताया कि कुछ समय पहले उसकी रेहड़ी पर एक युवक मोबाइल फोन बेचने के लिए आया था। उसने 3 हजार रुपये में फोन खरीद लिया। यह फोन कुछ देर बाद ही उसने 7 हजार रुपये में बेच दिया। एक फोन पर चार हजार रुपये की कमाई होने के बाद उसने पहले फोन बेच चुके युवक से चोरी के मोबाइल फोन खरीदकर उन्हें महंगे दोनों पर बेचना शुरू कर दिया। चोरी के 6 मामलों में पकड़े जाने के बाद वह जमानत पर छूट गया था। चोरी के फोन खरीदकर बेचने के बाद मोटा मुनाफा होने के बाद उसने खुद चोरी की वारदातों को अंजाम देना शुरू कर दिया। बाद में उसने इसके लिए उसने ट्रेनों की ओर रुख करना शुरू कर दिया। वह अक्सर साधारण कोच में ही गहरी नींद में सोए यात्रियों की जेब से मोबाइल फोन निकालता था। फोन चोरी के बाद वह कोच चेंज कर लेता था। इसके बाद चोरी किए गए मोबाइल फोन बेच देता था। वह दिल्ली से ट्रेन में सवार होकर रेवाड़ी या अंबाला की ओर सफर करता था।

पहली बार एसी कोच में किया प्रवेश

प्रिंसपाल ने पूछताछ के दौरान बताया कि गत 25 फरवरी को संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के एसी कोच में कोई टीटीई या आरपीएफ का जवान नहीं था। इसी वजह से वह रमेश त्यागी के साथ उस कोच में सवार हो गया। दोनों ने कोच में सो रही दो महिलाओं के पर्स चोरी किए। इसके बाद वह ट्रेन रुकने पर उतरकर फरार हो गए। चोरी किए पर्स में जेवरात भरे हुए थे। विश्वास गौतम ने सोने की कीमत से आधे दामों पर उनसे जेवरात खरीद लिए थे। एक बार फिर बड़ा हाथ मारने के लिए रेवाड़ी आए, तो जीआरपी ने उन्हें काबू कर लिया।

वेल्डर की नौकरी करता था त्यागी

रमेश त्यागी परिवार के साथ दिल्ली के नांगलोई में रहता है। उसके बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। वह एक कंपनी में वेल्डर की नौकरी करता था। कुछ समय पहले दिल्ली से अंबाला जाते समय ट्रेन में उसकी मुलाकात प्रिंसपाल से हुई, तो बातों-बातों में दोनों के बीच दोस्ती हो गई। प्रिंसपाल ने मोटी कमाई का लालच देकर उसे चोरी की वारदातों में शामिल होने का ऑफर दिया, तो वह एक बार मना करने के बाद उसका साथ देने के लिए तैयार हो गया। इसके बाद उसने वेल्डर की नौकरी छोड़ दी। त्यागी के खिलाफ ट्रेनों में चोरी के 6 मामले दर्ज हैं।

सस्ते के चक्कर में लपेटा गया गौतम

मेरठ के कालिया गढ़ी में सर्राफा का कारोबार करने वाला 23 वर्षीय विश्वास गौतम एक संपन्न परिवार से संबंध रखता है। उसका अपना खुद का अच्छा कारोबार है। बहन एमबीबीएस डॉक्टर है, जबकि एक भाई एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है। उसके पास दोनों आरोपी जेवरात बेचने गए, तो वह लालच में आ गया। जब दोनों सोने के दाम से आधी से भी कम कीमत पर माल बेचने के लिए तैयार हो गए, तो गौतम ने उनसे जेवरात खरीद लिए। खरीदे गए जेवरात बरामद करने के लिए उसे रिमांड पर लिया गया है।

ट्रेन में नींद आने का उठाते रहे फायदा

दोनों आरोपी अक्सर ट्रेनों में यात्रियों के सोने का इंतजार करते थे। जब किसी यात्री को गहरी नींद आ जाती, तो यह उसका मोबाइल फोन चोरी करने के बाद ट्रेन से उतर जाते थे। पर्स चोरी की वारदातों को दोनों ने पहली बार अंजाम दिया था।

-राजेश चेंची, डीएसपी जीआरपी।

रेवाड़ी। बाल भवन में नाटक का मंचन करते हुए कलाकार। फोटो : हरिभूमि

'अर्जेंट मीटिंग' नाटक का मंचन

कलाकारों ने सांस्कृतिक आयोजनों में व्याप्त राजनीति पर कसा व्यंग्य

- नाटक का निर्देशन रंगकर्मी कशिश बत्रा ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा कला परिषद एवं भरतमुनि कला केंद्र की ओर से बाल भवन के ऑडिटोरियम में तीन दिवसीय नाट्य उत्सव का शुभारंभ किया गया। पहले दिन जयवर्धन की ओर से लिखित नाटक 'अर्जेंट मीटिंग' का मंचन किया गया। नाटक का निर्देशन रंगकर्मी कशिश बत्रा ने किया। नाटक एक मीटिंग के ऊपर आधारित था, जिसमें एक नेशनल अकादमी के सदस्यों को देश के पीएम की ओर से जापान में एक नाटक भेजने के लिए नाम सुझाने को कहा जाता है। इसके लिए मीटिंग भी रखी जाती है, जिसमें देश के प्रसिद्ध प्रोफेसर, थिएटर समीक्षक और रंगकर्मी हिस्सा लेते हैं। मिटिंग में नारंग नाम का एक रंगकर्मी भी शामिल होता है। सभी कलाकार अपने ग्रुप का नाटक जापान भेजने के लिए नाम सुझाते हैं, जिसमें रोमियो और जूलियट जैसे नाम पर चर्चा होती है। नारंग सभी नाटकों को यह कहकर खारिज कर देता है कि यह सभी अंग्रेजों के लिखे नाटक है, जापान के लिए कोई हिंदुस्तानी नाटक जाना चाहिए। इस बीच पीएम का ड्राइवर मीटिंग में एक पत्र लेकर आता है और कहता है कि जापान के लिए मंत्री के भतीजे संजय नामक नए निर्देशक को भेजा जाए। सभी इस पर एतराज जताते हैं, लेकिन अपनी नौकरी चले जाने के भय से सभी उस पत्र में हस्ताक्षर कर देते हैं, लेकिन नारंग इससे एतराज जताते हुए पत्र फाड़ देता है।

निभाई भूमिका

नाटक में नारंग की भूमिका कर्ण सैनी, बजाज की भूमिका कशिश बत्रा, अजंता की भूमिका संतोष कुमारी, भारती की भूमिका मीनाक्षी, चौकीदार की भूमिका नितिन राठी, भटनागर की भूमिका रितिक बत्रा, सफाई वाले कि भूमिका पवन तथा मेहता जी की भूमिका संजय ने निभाई। मंच संचालन कंप्यूटर प्राध्यापक सुधीर ने किया।

ये रहे मौजूद

संस्था के प्रधान मदन डागर, उपप्रधान हिमानी, डा. अंकुर खेर, रंगकर्मी मनोज शर्मा, लोक नृत्य कलाकार ललित वर्मा, रंगकर्मी मनीष व रविंद्र सहित शहर के अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

विश्वविद्यालय की टीम ने एआईयू नेशनल यूथ फेस्टिवल में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था

आईजीयू की टीम एआईयू नेशनल कव्वाली फेस्टिवल के लिए हैदराबाद रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

हैदराबाद के लिए रवाना होती कव्वाली की टीम।

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय की टीम एआईयू की ओर से मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी हैदराबाद में आयोजित होने वाले नेशनल कव्वाली फेस्टिवल में भाग लेने के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर निदेशक छात्र कल्याण प्रोफेसर अदिति शर्मा ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी व कुलसचिव प्रोफेसर दिलबाग सिंह के मार्गदर्शन में पहली बार आईजीयू की टीम राष्ट्रीय कव्वाली फेस्टिवल में भाग लेने पहुंची है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की टीम ने एआईयू नेशनल यूथ फेस्टिवल में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था और अब टीम राष्ट्रीय स्तर पर कव्वाली फेस्टिवल में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगी। प्राचार्य डा. ओ पी सिंह के नेतृत्व में राजकीय कन्या महाविद्यालय नारनौल में विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय स्तर पर चयनित सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों को शामिल किया गया। कव्वाली की टीम डा. बलवान सिंह और डा. मनीषा के नेतृत्व में हैदराबाद रवाना हुई। सहायक निदेशक छात्र कल्याण डा. सुशांत यादव ने बताया कि इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक टीम निरंतर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही है और विवि की टीम पहली बार नेशनल कव्वाली फेस्टिवल में नया इतिहास रचने की ओर अग्रसर है।

कव्वाली प्रतियोगिता में प्रथम

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. करण सिंह ने बताया कि गत वर्ष आयोजित युवा कल्याण समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि विश्वविद्यालय के यूथ फेस्टिवल हिंडोला में कव्वाली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को एआईयू नेशनल कव्वाली फेस्टिवल में भाग लेने का अवसर दिया जाएगा। हिंडोला-2025 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली राजकीय कन्या महाविद्यालय नारनौल की टीम इस वर्ष विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रही है।

एनएमएमएस परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी हुए सम्मानित

- छात्रा राधिका खंड में प्रथम स्थान पर रही, वहीं अजय ने अच्छे अंकों से परीक्षा उत्तीर्ण की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

रेवाड़ी। एनएमएमएस परीक्षा उत्तीर्ण करने पर विद्यार्थियों का सम्मान करते शिक्षक।

बावल की पुरानी तहसील में चल रहे राजकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय का प्रतिष्ठित परीक्षा राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति यानि एनएमएमएस में शानदार परिणाम रहा। विद्यालय के दो छात्रों ने परीक्षा पास करके बावल खंड, विद्यालय व अपने माता पिता का नाम रोशन किया। छात्रा राधिका खंड में प्रथम स्थान पर रही, वहीं अजय ने अच्छे अंकों से परीक्षा उत्तीर्ण की। शनिवार को शिक्षकों ने दोनों मेधावी विद्यार्थियों का फूलमाला पहनाकर व नकद राशि भेंट कर सम्मान किया। विद्यालय के मौलिक मुख्याध्यापक सुनील कुमार यादव ने दोनों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में बावल खंड के राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रधान समुन्द्र सिंह ने सभी विद्यार्थियों को इसी तरह परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। एनएमएमएस परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले दोनों विद्यार्थियों को सरकार की ओर से प्रति माह एक हजार रुपए चार वर्ष तक मिलेंगे।

ये रहे मौजूद

स्कूल स्टॉफ सदस्य अजय कुमार, सुनीता नेहरा, मीना यादव, हेमंत नैनावत, संदीप कुमार व प्रवीन कुमार सहित अभिभावक व सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

श्रीमद् भागवत कथा का हवन व भंडारे के साथ समापन

धारूहेड़ा। राधा वल्लभ ज्ञान यज्ञ समिति की ओर से चल रही श्रीमद् भागवत कथा का हवन व भंडारे के साथ समापन हो गया। कथा वाचक स्वामी प्रेमानंद गिरी महाराज ने कथा के अंतिम दिन श्रभ कृष्ण-सुदामा चरित्र प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि सुदामा भगवान श्रीकृष्ण के परम मित्र थे। पत्नी के आग्रह पर सुदामा अपने मित्र से मिलने द्वारिका पहुंचे। सुदामा के आने की सूचना मिलते ही भगवान श्रीकृष्ण नंगे पांव महल से दौड़ पड़े और अपने बाल सखा को गले लगा लिया। वे सुदामा को प्रेमपूर्वक अपने महल में ले गए। मित्र सुदामा की दीनहीन दशा देखकर श्रीकृष्ण की आंखों से आंसू छलक पड़े। इस अवसर पर बृजेश भाटोटिया, अशोक कोसलिया, नरेश कुमार, नीरज शर्मा, दीपक सैनी, संजय, राजा व राकेश सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

विद्यालय को केवल ज्ञान का केंद्र न बनाकर संस्कारों की पाठशाला बनाना ही उद्देश्यः प्राचार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। स्कूल में नए छात्रों का स्वागत करते हुए शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रेवाड़ी में नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ पर प्रवेश उत्सव के तहत नामांकन बढ़ाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। विद्यालय की मिडल विंग की छठी कक्षा में पहली बार प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का प्राचार्य विनोद यादव के मार्गदर्शन में तिलक लगाकर व माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर प्राचार्य विनोद कुमार यादव ने कहा कि उनका उद्देश्य विद्यालय को केवल ज्ञान का केंद्र न बनाकर संस्कारों की पाठशाला बनाना है। छठी कक्षा में पहली बार कदम रखने वाले बच्चों का स्वागत छात्र और शिक्षक के बीच एक आत्मीय संबंध स्थापित करता है। व्याख्याता नम्रता सचदेवा ने कहा कि प्रवेश उत्सव की इस अनवरत श्रृंखला ने विद्यालय के वातावरण को अत्यंत सकारात्मक बना दिया है। शिक्षाविद मनोज कुमार वशिष्ठ ने कहा कि प्रवेश उत्सव का यह स्वरूप समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का आधुनिक शिक्षा के साथ अद्भुत संगम है। कार्यक्रम में सरोज धनखड़, रंजू बाला, ओम बाला, सरोज बाला, रीना यादव, जितेन्द्र, अशोक बेरवाल, राजपाल, राजेश और जितेन्द्रा सहित समस्त स्टाफ का योगदान रहा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

आईजीयू में 'फ्रॉम क्लासरूम टू कॉरपोरेट' विषय पर सेमिनार का आयोजन

कार्पोरेट क्षेत्र में सफलता पाने के लिए तकनीकी ज्ञान और टीमवर्क आवश्यक

- कार्यक्रम की शुरूआत में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रितु बजाज ने दोनों अतिथियों का स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

रेवाड़ी। कार्यक्रम में पूर्व छात्रों का सम्मान करते हुए प्रोफेसर। फोटो : हरिभूमि

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में प्रबंधन विभाग की ओर से एलुमनी विद्यार्थी मिलन कार्यक्रम के अंतर्गत 'फ्रॉम क्लासरूम टू कार्पोरेट' विषय पर प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग के पूर्व छात्र मयंक बंसल वं विकास कुमार ने एमबीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित करते हुए रोचक एवं इंटरएक्टिव सत्र का संचालन किया। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रितु बजाज ने दोनों अतिथियों का स्वागत किया। विभाग अपने पूर्व छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व करता है और ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को वास्तविक कॉपोरेट चुनौतियों को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पूर्व छात्रों की सफलता वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत

प्रोफेसर रितु बजाज ने बताया कि मयंक बंसल और विकास कुमार एमबीए 2023-25 बैच के सफल छात्र रहे हैं। वर्तमान में मयंक बंसल जीएलएस फिल्मस इंडस्ट्री बिलासपुर गुरुग्राम में एचआर एवं एडमिन के पद पर कार्यरत हैं, जबकि विकास कुमार एयरटेल रेवाड़ी में पोस्टपेड कोऑर्डिनेटर के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन पूर्व छात्रों की सफलता वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। पूर्व छात्रों ने विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के महत्व, प्रभावी रिज्यूम निर्माण, साक्षात्कार की तैयारी, संचार कौशल के विकास तथा सही विषय चयन के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि कॉपोरेट क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक कौशल, समय प्रबंधन तथा टीमवर्क अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहें, बल्कि विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करें। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों से नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की क्षमता तथा आत्मविश्वास में वृद्धि होती है, जो भविष्य में कॉपोरेट जीवन में अत्यंत सहायक सिद्ध होती हैं। इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक प्रोफेसर समृद्धि, डा. भारती और डा. सुशांत यादव ने भी अपने विचार व्यक्त दोनों पूर्व छात्रों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डा. सुशांत यादव ने किया।

रेवाड़ी। केंद्रीय मंत्री का ज्ञापन सौंपते हुए समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

मेघवाल उत्थान समिति ने मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मेघवाल उत्थान समिति की टीम ने केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से उनके दिल्ली स्थित निवास पर शिष्टाचार भेंट की और मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। समिति के संरक्षक वेद प्रकाश मेघवाल ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि मेघवाल उत्थान समिति का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति के स्थान पर समुदाय को अपनी पारंपरिक पहचान मेघवाल शब्द से जोड़ना और प्रमाण-पत्रों में इसी नाम से जारी कराना है। उन्होंने मंत्री से राजस्थान सरकार की तर्ज पर मेघवाल नाम से जाति प्रमाण-पत्र जारी करने, मेघवाल शब्द के लिए केंद्र सरकार की ओर से अधिसूचना जारी करने तथा मेघवाल समुदाय को डीएससी से निकालकर ओएससी में शामिल करने की मांग की। समिति सदस्यों ने केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को बताया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को कुछ समय पहले ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया था। केंद्रीय मंत्री ने समिति को आश्वस्त किया कि इस विषय पर शीघ्र ही विचार किया जाएगा और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मेघवाल उत्थान समिति ने सकारात्मक आश्वासन के लिए केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल का आभार व्यक्त किया।